उत्तर प्रदेश ने महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया है।**

- इसे **जनवरी 2025** में होने वाले आगामी कुंभ मेले के प्रबंधन और प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिये बनाया गया था।

मुख्य बिंदु

- **यह अधिसूचना उत्तर प्रदेश प्रयागराज मेला प्राधिकरण, प्रयागराज अधिनियम, 2017** की धारा 2 (th) के अंतर्गत जारी की गई।
  - यह महाकुंभ 2025 के आयोजन के लिये आधिकारिक तौर पर महाकुंभ मेला ज़िले की घोषणा करता है।
  - मेला **अधिकारी को नये ज़िले का प्रशासनिक अधिकारी** बनाया गया।
- **मेला अधिकारी की शक्तियाँ एवं जिम्मेदारियाँ:**
  - मेलाधिकारी, कुंभ मेला, प्रयागराज, **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023** की धारा-14 (1) और संबंधित धाराओं के तहत कार्यपालक मजिस्ट्रेट, ज़िला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ धारण करेंगे।
  - मेलाधिकारी को सभी मामलों को निपटाने के लिये **उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 (2016 में संशोधित) के तहत ज़िला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर की सभी शक्तियाँ भी प्राप्त होंगी।**
  - मेला अधिकारी को ज़िले के लिये अतिरिक्त कलेक्टर नियुक्त करने का अधिकार है।

महाकुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)** की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
  - यह नासिक में **गोदावरी नदी, उज्जैन में शिप्रा नदी,** हरिद्वार में **गंगा और प्रयागराज में** गंगा, **यमुना** और पौराणिक **सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। संगम को 'संगम' कहा जाता है।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जिससे यह **सांस्कृतिक रूप से विविध त्योहार बन जाता है।**
- एक **महीने से अधिक समय तक चलने वाले इस मेले** में एक विशाल तम्बूनुमा बस्ती का निर्माण किया जाता है, जिसमें झोपड़ियाँ, मंच, नागरिक सुविधाएँ, प्रशासनिक और सुरक्षा उपाय शामिल होते हैं।
  - इसका आयोजन सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों और पुलिस द्वारा अत्यंत सावधानी से किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से वनों, पहाड़ों और गुफाओं के सुदूर स्थानों से आये **धार्मिक तपस्वियों की असाधारण उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/up-declares-maha-kumbh-area-a-new-district